



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

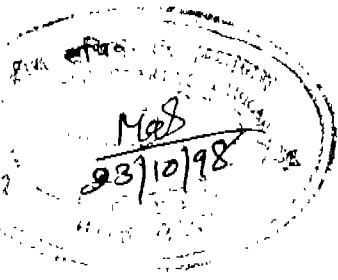
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 114 ]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 26, 1998/ ज्येष्ठ 5, 1920

No. 114]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 26, 1998/JYAISTHA 5, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मई, 1998

विषय : चीन जनवादी गणराज्य और जापान से विटामिन-सी के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच—अंतिम निष्कर्ष

10/1/97-एडीडी : वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं की पहचान, उन पर, पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

1. मौजूदा जांच के संदर्भ में निम्नलिखित क्रियाविधि अपनाई गई है :

- नियमों में यथापरिभाषित निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) ने दिनांक 11 मार्च, 1998 की अधिसूचना सं.10/1/97-एडीडी के द्वारा चीन जनवादी गणराज्य और जापान से विटामिन-सी के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था और हितबद्ध पार्टियों से अनुरोध किया था कि वे इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित अपने विचार व्यक्त करें।
- प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजते समय सभी ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया गया था।
- प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद चीन कहा जाएगा) और जापान के दूतावास को भी प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति अनुरोध के साथ भेजी थी कि नियांतकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करने को कहा जाए।
- प्राधिकारी ने 4 मई 98 को मौखिक रूप से विचार सुनने के लिए सार्वजनिक सुनवाई की। सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली सभी पार्टियों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें। पार्टियों को सलाह दी गई थी कि वे विरोधी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां प्राप्त करे लें तथा उनसे अनुरोध किया कि विपक्षी विचारों के खंडन में अपने विचार प्रस्तुत करें। निम्नलिखित पार्टियों ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया :

  - मै. अम्बालाल साराभाई इंटरप्राइजेज लिमि.—यांत्रिकाकर्ता;
  - मै. तकेदा विटामिन्स एंड फुड एशिया प्रा. लिमि., जिसका प्रतिनिधित्व मैं. बी एस इंटरनेशनल, मुम्बई द्वारा किया गया;

(3) मै. ग्रेक्यार फार्मास्यूटिकल्स लिमि., नई दिल्ली ।

याचिकाकर्ताओं ने दिनांक 4-5-98 को सुनवाई के दौरान व्यक्त किए गए विचार मौखिक सुनवाई में उपस्थित अन्य हितबद्ध पार्टियों को सिखित रूप में उपलब्ध कराए और प्राधिकारी ने उन्हें दिनांक 12-5-98 को या उससे पहले उनका खंडन प्रस्तुत करने का कहा।

(v) उक्त नियम के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित आवश्यक सम्बोधी/आधारों की जानकारी ज्ञात सभी इच्छुक पार्टियों को दी गई। इन पर जो टिप्पणियां प्राप्त हुई उन पर भी इन निष्कर्षों में विचार किया गया है;

(vi) नियांतकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा साझा मुद्दों पर व्यक्त किए गए विचारों को संक्षेपण की दृष्टि से नहीं दुहराया गया है। प्रारंभिक निष्कर्षों से पहले विविध हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को भी संक्षेपण की दृष्टि से नहीं दुहराया गया है।

(vii) जांच आरेख की तारीख से एक वर्ष की समय-सीमा के भीतर पूरी कर ली गई है।

(x) याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने प्रारंभिक निष्कर्षों पर मिम्लिखित विचार प्रस्तुत किए :

(i) चीन और जापान भूल के या वहां से नियांतित आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाना घेरेलू उद्योग के हित की रक्षा के लिए पर्याप्त नहीं है;

(ii) जांच अवधि के दौरान सीभाशुल्क 42% था जबकि बाद में इसे घटाकर 35% कर दिया गया;

(iii) भारत को चीन और जापान से किए गए विटामिन-सी के नियांत में जांच के बाद की अवधि में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है;

(iv) जांच के बाद की अवधि में चीन और जापान दोनों ने अपनी नियांत कीमत में और भारी कमी की और घेरेलू उद्योग अपने उत्पादों को बेचने में असमर्थ हो गया तथा उसे उत्पादन में कटौती के लिए भजबूर होना महा और यहां तक कि संयंत्र को अंशतः बंद करना पड़ा;

(v) चीन और जापान से विटामिन-सी के आयातों पर अतिरिक्त पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए;

(vi) विटामिन-सी के दो स्वदेशी उत्पादों की सुस्थापित क्षमता घेरेलू मांग से 20% अधिक है;

(vii) जर्मनी, रियटजरलैंड और जापान के पास अप्रैल 96 से पहले भी विटामिन-सी के उत्पादन की क्षमता मौजूद थी और इन देशों में विटामिन-सी का उत्पादन करने के लिए और उत्पादन क्षमता नहीं है;

(viii) चूंकि विचाराधीन उत्पाद ओ और एल के अधीन हैं इसलिए पाटनरोधी शुल्क लगाने से आयातकों के हित को किसी तरह की भ्रति नहीं है;

(ix) मै. हेब्रेई वैलकम फर्मा के, चीन को नियांत बीजकों की कापियां प्रस्तुत करने के बायाय चीन में विटामिन-सी की बिज़की के बीजकों की स्थापित प्रतिरिद्धि पेश करने चाहिए थीं और इस बात का दावा किया कि नियांतक द्वारा अपनी स्थानीय कीमत की तुलना में काफी कम कीमतों पर माल का नियांत किया जा रहा है;

(x) यह याचिका जापान से नियांतित या जापान में विनिर्मित विटामिन-सी के खिलाफ है और इसलिए मै. तकेदा विटामिन्स एंड फूड प्रशिया प्रा. लिमि. द्वारा उठाए गए मुद्दे असंबद्ध हैं।

(ग) नियांतकों/आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. आयातकों और नियांतकों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए हैं और उनका संक्षेप में व्यौरा नीचे दिया गया है :

(i) नियांतक :

प्रारंभिक निष्कर्षों पर किसी भी नियांतक ने प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है तथापि, मै. तकेदा विटामिन्स एंड फूड प्रशिया प्रा. लिमि. सिंगापुर और हेब्रेई वैलकम फर्मा के चीन ने 4 मई, 1998 को होने वाली मौखिक सुनवाई के स्थगन का अनुरोध किया है।

(ii) आयातक और अन्य हितबद्ध पार्टी :

4. मै. दिलीप कुमार एंड कं.

(i) प्राधिकारी ने इस तथ्य को विलक्षण नकार दिया है कि मै. अम्बालाल साराभाई इंटरप्राइजेज के 454 मी/टन के उत्पादन को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विटामिन-सी के उत्पादन के लिए अलाभकारी और अध्यवहार्य क्षमता बाला माना गया है। इस क्षमता की तुलना दूसरे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के साथ नहीं की जा सकती है।

(ii) भारतीय बाजार में विटामिन-सी की कुल मांग अम्बालाल साराभाई की उत्पादन क्षमता का संगम 3 गुणा है। अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपभोक्ताओं को प्रबलित अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों के विविध स्त्रोतों से आयात करता पड़ा है।

(iii) अम्बालाल साराभाई की मालासूची वर्ष 1995-96 में 0.67 मी. टन की थी और जांच अवधि के दौरान 16.98 मी. टन की थी जो अनुकूल कम है;

(iv) इस बात को पूर्ण रूप से अनदेखा कर दिया गया है कि मैं अम्बालाल साराभाई भारत में अपने विनिर्माण संबंधी कार्यों के लिए विटामिन-सी का खुद ही एक मुख्य उपभोक्ता है;

(v) मैं जयन्त विटामिन्स ने यह बयान कहीं नहीं दिया है कि कारखाने को आयातों के कारण बंद किया गया है, बंद करने के लिए दूसरे मुख्य कारण थे जो कि बतलाए गए हैं।

(vi) जैसाकि विदित है कि विश्व में रोचे की तीन उत्पादक इकाईयां हैं जो जर्मनी, यू.के और यू.एस प्रत्येक में एक-एक हैं। रोचे विटामिन-सी की बिक्री समान क्षेत्र में समान मूल्य पर कर रहा है, जहाँ उसका उत्पादन कहीं भी हुआ हो। अद्यतन जानकारी के अनुसार विटामिन-सी की घरेलू कीमत यूरोप की तुलना में काफी अधिक है।

(vii) वर्ष 1997 में विटामिन-सी की विश्व में 76000 मी. टन की मांग थी जबकि भारत का वार्षिक आयात 700 मी. टन से कम है इस तरह भारत में विश्व मांग के 1% से भी कम खपत है। इसलिए भारत विश्व बाजार मूल्य की मांग करने या उसको प्रभावित करने की स्थिति में नहीं है।

(viii) यह कि मौजूदा जांच चीन और जापान के विरुद्ध पक्षपातपूर्ण है।

(ix) पाटनरोधी शुल्क लगाने से यूरोपीय/अमरीकन उत्पादकों को अर्थात् चीनी उत्पादकों के मुकाबले स्पष्ट लाभ मिलेगा क्योंकि ये भारतीय क्रेताओं से अधिक मूल्य वसूल कर सकते हैं।

## 5. नेपी फर्मा प्रा. लिमिटेड

भेजीय नुस्खों तथा उपस्कर्तों के विनिर्माता एवं निर्यातक होने के नाते इन्होंने कहा है कि पाटनरोधी शुल्क अनिवार्य है अन्यथा दूसरे एककों का भी वही हाल होगा जो कि जयन्त विटामिन्स का हुआ है अर्थात् जिसने अपना उत्पादन बंद कर दिया है।

### (घ) प्राधिकारी द्वारा जांच

6. याचिकाकर्ता, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई और जहाँ उपयुक्त समझा गया, वहाँ इसके बाद कार्रवाई की गई :

(i) निर्यातकों को सीधे और चीन एवं जापान के दूतावासों के जारी प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार दर्ज कराने के लिए पर्याप्त अवसर दिया था किन्तु उनमें से किसी ने भी उत्तर नहीं दिया। इसलिए प्राधिकारी को सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर तथ्यों तक पहुंचना पड़ा है।

(ii) दिनांक 11-3-98 को अधिसूचित प्रारंभिक निष्कर्षों में यथा निर्दिष्ट निर्यात कीमत का निर्धारण सीमाशुल्क बस्तीयरेस के प्रयोजन से आयातकों द्वारा बतलाए गए औसत भारित मूल्य के आधार पर किया गया है जिनके आंकड़े ही जी सी आई एंड एस, कलकत्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। इस तरह से निर्धारित निर्यात कीमत विश्वसनीय पाई गई है और इसे अपनाया गया है।

(iii) प्राधिकारी ने पाया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रारंभिक निष्कर्षों में यहले से ही विचार किया जा चुका है और उस पर विश्वास किया जा सकता है। इसके अलावा जांच पश्चात् अवधि से संबंधित उठाए गए मुद्दों में से कुछ ऐसे हैं जो मौजूदा जांच के द्वाये में नहीं आते हैं इसलिए उन पर विचार नहीं किया गया।

(iv) प्राधिकारी ने नोट किया कि आयातक मैं दिलीप कुमार एंड कंपनी ने अपने पूर्ववर्ती जबाब में यह दलील दी थी कि प्राधिकारी चीन की वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की वसूली कट सकता है क्योंकि सी आई एफ मूल्य अनुकूल ही कम है और ये भारतीय उत्पादकों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके विपरीत आयातकों ने प्रारंभिक निष्कर्षों के अपने जबौदा में मौजूदा जांच को चीन के विरुद्ध पक्षपातपूर्ण बताया है जो परस्पर विरोधी है।

### (छ) प्राधिकारी द्वारा अभिवार्य तथ्यों का प्रकटीकरण

7. पाटनरोधी नियमों के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को चीन जनवादी गणराज्य एवं जापान से विटामिन-सी के आयातों से जुड़ी पाटनरोधी जांच से संबंधित मामलों पर अनिवार्य तथ्यों को दर्शाने वाला एक ब्यौरा भेजा ताकि ये इस बारे में अपनी टिप्पणियां भेज सकें। जल्दी तथ्यों की बोलणा के बारे में हितबद्ध पार्टियों द्वारा की गई टिप्पणियों पर प्राधिकारी ने विचार कर लिया है।

8. प्राधिकारी ने नोट किया कि प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद किसी भी हितबद्ध पार्टी ने कोई नया ठोस तथ्य प्रस्तुत नहीं किया है और इसलिए भारतीय उद्योग के हितों पर विचार करने के बाद तथा पाटन, क्षति और इसके कारणात्मक संबंध से जुड़े विविध कारकों को ध्यान में रखते हुए 11-3-98 को अधिसूचित प्रारंभिक निष्कर्षों में दिए गए जांच परिणामों की पुष्टि कर दी और यह निष्कर्ष निकाला कि :

(i) चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों ने भारत में विटामिन-सी की बिक्री सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर की है;

(ii) जापान के निर्यातकों ने भारत में विटामिन-सी की बिक्री सामान्य मूल्य से कम पर की है;

(iii) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

(iv) और यह कि आयातों से भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

9. जहाँ तक निर्यातकों/उत्पादकों का वैधिक सुनवाई के स्थगन संबंधी अनुरोध का प्रश्न है, प्राधिकारी द्वारा इस पर विचार किया गया और इसे नहीं माना जा सकता है, क्योंकि पाटनरोधी जांच समयबद्ध है और जांच को पूरा करने के लिए समय-सारणी का पालन करना जरूरी था।

10. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए अपनाई गई क्रिया विधि, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना और दिनांक 11-3-98 को अधिसूचित प्रारंभिक निष्कर्षों में उससे प्राप्त मूल्यों की पुष्टि कर दी है।

11. पाटनरोधी शुल्क लगाने संबंधी प्रारंभिक निष्कर्षों की प्राधिकारी पुष्टि करते हैं और चीन जनवादी गणराज्य तथा जापान भूल के या वहां से निर्यातित विटामिन-सी के सभी निर्यातों पर नीचे बताई गई दरों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने कर सिफारिश करते हैं :

निम्नलिखित देशों के या वहां से निर्यातित उत्पाद

पाटनरोधी शुल्क की मात्रा

(रुपया प्रति किलो.)

जापान	27.59
चीन	61.96

12. उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी दिनांक 11-3-98 के प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

13. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क, उत्पादन शुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण में उक्त अधिनियम के अनुसार की जा सकेगी।

रति विनय ज्ञा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE

### NOTIFICATION

New Delhi, the 25th May, 1998

**Subject : Anti dumping investigation concerning imports of Vitamin-C from China PR & Japan—Final Findings.**

**10/1/97 A D D :** Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

1. The procedure described below has been followed with regard to the present investigation :

- The Designated Authority as defined under the Rules (hereinafter referred as Authority) notified preliminary findings in the anti-dumping investigation concerning imports of Vitamin-C from People Republic of China and Japan vide notification No. 10/1/97 A D D dated 11th March, 1998, and requested the interested parties to make their views known in writing within 40 days from the date of its publication.
- Forwarding a copy of the Preliminary Findings, all known interested parties were requested to furnish their views, if any, on the Preliminary Findings within 40 days of the date of the letter;
- The Authority also forwarded a copy of Preliminary Findings to the Embassy of People Republic of China (hereinafter referred to as China and Embassy of Japan in New Delhi with a request that exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the Preliminary Findings;
- The Authority held a public hearing on 4th May '98, to hear views orally. All the parties attending the public hearing were requested to file written submission of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals. The following parties attended the public hearing :
  - M/s Ambalal Sarabhai Enterprises Ltd.—petitioner
  - M/s Takeda Vitamins & Food Asia Pte Ltd., represented by M/s B. S. International, Mumbai;

## (3) M/s Gracure Pharmaceuticals Ltd., New Delhi.

The petitioners made available copy of the written submissions of the views expressed orally during the hearing on 4.5.98 to other interested parties present in the oral hearing and the Authority permitted them to offer rebuttals on or before 12-5-98;

- (v) In accordance to Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to all the known interested parties. Comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- (vi) The views expressed by the exporters/importers and other interested parties involving common issues have not been repeated for the sake of brevity. The views expressed by various interested parties before the Preliminary Findings have also not been repeated for the sake of brevity;
- (vii) The investigations have been concluded within the time limit of one year from the date of initiation.

**B. Petitioner's Views**

## 2. The petitioner made the following submissions on the Preliminary Findings

- (i) Imposition of provisional anti-dumping duty on imports originating or exported from China and Japan is not adequate to protect the interest of the domestic industry;
- (ii) The customs duty during the Period of investigation was 42% whereas the duty was reduced to 35% subsequently;
- (iii) The quantum of Vitamin C exported by China and Japan into India has substantially increased in the post investigation period;
- (iv) Both China and Japan further resorted to drastic reduction in the price of their export during the post investigation period and the domestic industry is unable to sell their product and were forced to curtail production and even resorted to partial closure of the plant;
- (v) Additional anti-dumping duties should be imposed on imports of Vitamin C from China and Japan;
- (vi) The installed capacity of two indigenous manufacturers of Vitamin-C is 20% more than the domestic requirement;
- (vii) The capacities of Vitamin-C production in Germany, Switzerland and Japan had existed before April 96 also, and there are no fresh additional capacities for the production of Vitamin-C in these countries;
- (viii) As the product under consideration is under OGL, imposition of anti dumping duty in no way hurts the interest of the importers;
- (ix) M/s Hebei Welcome Pharma Co. China should have produced certified copies of invoices for sale of Vitamin-C in China rather than producing copies of export invoices and contended that the exporter is exporting goods at prices much lower than their local price;
- (x) The petition is against Vitamin-C exported from Japan or originated from Japan and hence the points raised by M/s Takeda Vitamins and Food Asia Pvt. Ltd. are irrelevant;

**C. Views of Exporters/Importers and other Interested Parties**

## 3. The importers and exporters have expressed their views, and the same are briefly mentioned below :

**I. Exporters**

None of the exporters have chosen to respond to the preliminary findings. However, M/s Takeda Vitamins and Food Asia Pvt. Ltd., Singapore and M/s Hebei Welcome Pharma Co. China requested for deferment of the oral hearing scheduled on 4th May, 1998;

**II. Importers and Other Interested Party :**

## 4. M/s Dilip Kumar and Co.

- (i) Authority has totally neglected the fact that production of M/s Ambalal Sarabhai Enterprises of 454 M/T is considered internationally uneconomical and unviable capacity for production of Vitamin C. This capacity cannot be compared with other international makers;
- (ii) The total demand for Vitamin C in Indian market is almost 3 times production capacity of Ambalal Sarabhai. In order to meet the requirements users have to import from various sources at prevailing international markets.

1427 11/98-2

- (iii) The inventory of Ambalal Sarabhai was 0.67 MT in the year 1995-96 and 16.98 MT during the period of investigation which is meagre ;
- (iv) It is totally ignored that M/s Ambalal Sarabhai is itself one of the major consumer of Vitamin C in India for their own formulations ;
- (v) M/s Jayant Vitamins have no where made a statement that the closure is due to imports, there are other major reasons as reported for the closure.
- (vi) As it is known, ROCHE has three manufacturing units in the world, one each in Germany, UK and USA, ROCHE is selling Vitamin C at the same price to the same region no matter where it is produced. According to latest information domestic price of Vitamin C is much higher than in Europe.
- (vii) World demand for Vitamin C in the year 1997 was reported at 76000 MT while India imports less than 700 MT annually, with consumption of less than 1% of world demand, India is in no position to demand or influence world market price.
- (viii) That the present inquiry is biased against China and Japan.
- (ix) Imposition of Anti-dumping duties gives clear advantage to European/American manufacturers i.e. in comparison with Chinese manufacturers, as they can charge higher price to Indian buyers :

#### 5. NEMI Pharma Pvt. Limited :

Being manufacturers and exporters of pharmaceutical formulations and machineries have stated that Anti-dumping Duty is essential otherwise other units will also meet the same fate as Jayant Vitamins which has suspended production ;

#### D. Examination by the Authority

6. The submissions made by the petitioner, exporters, importers and other interested parties have been examined and considered and, wherever appropriate, have been dealt hereinafter :

- (i) Exporters directly and through the Embassies of China and Japan were given ample opportunity to file their view on preliminary findings but none of them responded. The Authority, therefore, has to go by the facts on the basis of best available information.
- (ii) The export price, as indicated in the Preliminary Findings notified on 11-3-98 has been determined on the basis of weighted average price as reported by the importers for the purpose of custom clearances maintained by DGCI&S, Calcutta. The export price so determined is found to be reliable and has been adopted.
- (iii) The Authority observes that the points raised by the petitioner have already been dealt in the preliminary findings and may rely on the same. Further some of the points raised relate to post investigation period and does not come under the purview of present investigation and hence not considered.
- (iv) The Authority notes that the importers M/s Dilip Kumar and Co. had pleaded in their earlier response that the Authority may charge anti-dumping duty on Chinese material as c.i.f. prices are too low, and may be affecting Indian manufacturers. On the contrary the importers have stated the present inquiry is biased against China in their response to preliminary findings, which is contradictory ;

#### E. Disclosure of Essential Facts made by the Authority :

7. The Authority in accordance with Rule 16 of the Anti-dumping Rules, sent a statement disclosing essential facts in the matter relating to anti-dumping investigations concerning imports of Vitamin C from China PR & Japan to all interested parties for sending their comments ;

Comments made by interested parties on disclosure of essential facts have been considered by the Authority ;

8. The Authority notes that no new substantial facts have been brought out by any of the interested parties after the Preliminary Findings and, therefore, after considering the interest of Indian industry and taking into account various factors relating to dumping, injury and its causal link confirms the findings as brought out in the Preliminary Findings notified on 11-3-98 and concludes that :

- (i) exporters from People's Republic of China have sold Vitamin C in India below the normal value ;
- (ii) Exporters from Japan have sold Vitamin C in India below normal value ;
- (iii) The Indian industry has suffered material injury ;
- (iv) and that imports caused material injury to Indian industry;

9. As regards to request by exporters/producers regarding deferment of oral hearing the Authority considered and this could not be acceded to as the anti-dumping investigations are time bound and the time schedule had to be adhered for completing the investigations ;

10. The Authority confirms the methodology adopted for determination of Normal Value, export price, the comparison of Normal Value and export price and values arrived thereof in the Preliminary Findings notified on 11-3-98.

11. The Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of anti-dumping duty and recommends imposition of definitive anti-dumping duties on all exports of Vitamin C originating or exported from China PR and Japan at the rates specified below :

Product originating in or exported from	Amount of Anti-dumping	
	Duty	(Rs. per Kg.)
Japan		27.59
China		61.96

12. Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 11-3-98

13. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority.

